दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 06
अंकः- 150
मुरादाबाद
(Sunday)
20 September 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

20वां रोजगार मेलाः पीएम मोदी ने 51,000 से अधिक युवाओं को बांटे नियुक्ति पत्र, बोले- युवा बनाएंगे विकसित भारत

पीएम मोदी बोले- दुनिया को दिशा दिखा रहे; हाइड्रोजन ट्रेन का किया जिक्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रोजगार मेले का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम युवाओं की क्षमता का एक और उदाहरण है। सरकार निजी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसरों को तेजी से बढ़ाने का प्रयास कर रही है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 20वें रोजगार मेले के माध्यम से 51,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। ये नियुक्तियां विभिन्न सरकारी संगठनों में की गई हैं। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये इस कार्यक्रम को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं की क्षमता और उनके भविष्य की भूमिका पर जोर दिया। यह आयोजन देश के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम युवाओं की क्षमता का एक और उदाहरण है। आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गया है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण और जलवायु गतिशीलता पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत की जलवायु पहलों को रेखांकित किया। उन्होंने प्रति व्यक्ति उत्सर्जन, सौर ऊर्जा, पीएम सूर्य घर योजना, हाइड्रोजन ट्रेन और गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता में बढ़ोतरी का उल्लेख करते हुए भारत के प्रयासों को सर्वजनिक मंच पर रखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्यूचर ऑफ एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट डायनेमिक्स% (पर्यावरण और जलवायु गतिशीलता का भविष्य) विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि लंबे समय से कार्बन उत्सर्जन की जिम्मेदारी गलत तरीके से विकासशील देशों पर डाली जाती रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हकीकत यह है कि प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन में भारत का योगदान वैश्विक औसत के आधे से भी कम है। वहीं विकसित देशों में प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन भारतीयों की तुलना में छह गुना अधिक है। भारत इन तथ्यों को वैश्विक मंचों पर पूरी मजबूती से रखता है। उन्होंने हर भारतवासी से भी इस दिशा में आत्मविश्वास और दम दिखाने की बात कही। भारत पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में तय कर रहा नए मानक-पीएम मोदी ने बताया कि भारत दुनिया के साथ मिलकर पर्यावरण संरक्षण के नए मानक तय कर रहा है। उन्होंने वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड, अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए), सीडीआरआई, वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन, अंतरराष्ट्रीय बिग कैट गठबंधन और मिशन लाइफ जैसी पहलों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ये सभी मंच पर्यावरण और वन्यजीवों के प्रति भारत के समर्पण का प्रमाण हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 12 वर्षों में भारत ने पर्यावरण के हर क्षेत्र में असाधारण प्रगति की है। भारत जी-20 का इकलौता ऐसा देश है, जिसने पेरिस में कॉप-21 सम्मेलन में किए गए अपने संकल्पों को समय सीमा से पहले पूरा करके दिखाया है। आज गैर-जीवाश्म ईंधन, सौर ऊर्जा क्षमता और कार्बन उत्सर्जन पर रोक जैसे मानकों पर भारत के प्रदर्शन की चर्चा पूरी दुनिया में है।सौर ऊर्जा का ब्योरा देते हुए उन्होंने कहा कि 12 साल पहले देश की सौर क्षमता केवल 2 गीगावाट थी, जो आज बढ़कर 160 गीगावाट के पार हो चुकी है। सरकार ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत घरों को सौर ऊर्जा उत्पादन का केंद्र बनाने का मिशन शुरू किया। इस योजना के तहत अब तक 50 लाख से अधिक घरों में सोलर पैनल लग चुके हैं। यह संख्या कई देशों के कुल मकानों से भी अधिक है। सरकार ने ऐसे प्रत्येक परिवार को करीब 80,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत आज क्लीन मोबिलिटी और ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में तेजी से काम कर रहा है। हाल ही में भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन शुरू हुई है, जो दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन है। यह स्वच्छ परिवहन के एक नए युग का आगाज है। भारतीय स्टार्टअप की कहानी अब केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं है। लगभग आधे मान्यता प्राप्त स्टार्टअप टियर-2 और टियर-3 शहरों में स्थित हैं। इसका अर्थ है कि गांवों, कस्बों और छोटे शहरों के युवा भारत की नई अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।वो देश की आर्थिक प्रगति में सक्रिय योगदान दे रहे हैं। छोटे शहरों के युवा अपने नए विचारों पर काम कर रहे हैं। वे नई कंपनियां स्थापित कर रहे हैं। इसके माध्यम से दूसरों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा कर रहे हैं। यह दर्शाता है कि नवाचार अब केवल महानगरों तक ही सीमित नहीं है। सरकार इस प्रवृत्ति को और बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इन युवाओं की ऊर्जा और रचनात्मकता देश के विकास को गति दे रही है। यह एक सकारात्मक बदलाव है जो पूरे देश में फैल रहा है। इससे स्थानीय स्तर पर भी रोजगार के नए अवसर बन रहे हैं। यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैनिजी क्षेत्र में रोजगार और सरकारी प्रोत्साहन-सरकार निजी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसरों को तेजी से बढ़ाने का प्रयास कर रही है। इसी दृष्टिकोण के साथ प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना शुरू की गई है। इस योजना के लिए लगभग 1 लाख करोड़ रुपये का परिव्यय निर्धारित किया गया है। यह योजना लगभग 2 करोड़ युवाओं को पहली बार कार्यबल में शामिल होने में सक्षम बनाएगी। इस योजना के तहत, सरकार पहली नौकरी पाने वाले युवाओं को 15,000 रुपये तक का प्रोत्साहन प्रदान कर रही है।साथ ही, उन नियोक्ताओं को भी प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं जो नए रोजगार के अवसर पैदा करते हैं। संक्षेप में, सरकार देश में रोजगार को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। युवाओं के लिए नए अवसर तभी पैदा होते हैं जब देश की अर्थव्यवस्था में वृद्धि होती है। निवेश बढ़ता है, नए उद्योग स्थापित होते हैं और विभिन्न क्षेत्रों का विस्तार होता है। व्यापार समझौते और युवा तैयारी- प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में लगभग 40 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) किए हैं। ये एफटीए हमारे युवाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोल रहे हैं। ऐसे व्यापार समझौते उद्यमियों के लिए नई साझेदारियों का मार्ग प्रशस्त करते हैं। ये नए बाजारों तक पहुंच प्रदान करते हैं और युवाओं के लिए नए कॅरिअर की संभावनाएं बनाते हैं। भारत सरकार ने लगातार युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया है इसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति, स्किल इंडिया मिशन और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। अप्रेंटिसशिप को बढ़ावा देने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि युवाओं की शिक्षा और कौशल विकसित हो रही अर्थव्यवस्था की जरूरतों के अनुरूप हों। पीएम सेतु योजना इसका एक महत्वपूर्ण उदाहरण है, जिसके तहत 60,000 करोड़ रुपये के निवेश से 1,000 सरकारी आईटीआई का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। इस प्रक्रिया में उद्योग की सीधी भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत में युवाओं की भूमिका- प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में त्योहारों का मौसम शुरू हो गया है। इन उत्सवों के बीच, आज हजारों परिवारों के जीवन में एक नई खुशी आई है। आज देश भर में 51,000 से अधिक युवाओं को सरकारी सेवा के लिए नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं। आप ऐसे समय में भारत सरकार में शामिल हो रहे हैं जब देश एक बड़े लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। यह लक्ष्य 2047 तक विकसित भारत का निर्माण करना है। इस महत्वपूर्ण प्रयास में आप जैसे युवाओं की एक अहम भूमिका है। सरकार के हिस्से के रूप में, आपके द्वारा लिया गया हर निर्णय विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के अभियानों को लगातार मजबूत करना चाहिए। युवा व्यक्तियों के रूप में, आप अपने साथी युवाओं के प्रति एक विशेष जिम्मेदारी निभाते हैं। आज हम देखते हैं कि हमारे युवाओं की प्रतिभा और कौशल ने पूरी दुनिया का विश्वास जीता है। दुनिया हमारे नवप्रवर्तकों, उद्यमियों और युवा शक्ति से उच्च उम्मीदें रखती है। वैश्विक मंच पर भारत के युवाओं का योगदान- प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन कुछ दिन पहले ही संपन्न हुआ है। भारत ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि ब्रिक्स सहयोग केवल सरकारों तक सीमित न रहे। बल्कि, हमारे उद्यमी, किसान, महिलाएं और युवा सभी इस साझेदारी में सक्रिय भागीदार बनें। यह भारत की समावेशी विकास की सोच को दर्शाता है।इसी दृष्टिकोण के साथ %ब्रिक्स कनेक्ट% और %ब्रिक्स एमएसएमई सहयोग पोर्टल% जैसी पहल शुरू की गई हैं। ये पहल वैश्विक स्तर पर भारतीय युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देंगी। यह भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका को भी दर्शाती है।

संक्षिप्त समाचार

68500 सहायक शिक्षक भर्ती: मंत्री जी आपकी तो शादी हो जाएगी, हम तो कुंवारे ही मर जाएंगे

बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह के मैरिस रोड स्थित आवास पर धरना दिया जिसमें मथुरा, कासगंज, बरेली समेत कई जिलों के अभ्यर्थी शामिल हुए और 'मंत्री जी आपकी तो शादी हो जाएगी हम तो कुंवारे ही मर जाएंगे' पोस्टर के जरिए उम्र बीतने की पीड़ा जताई। 68500 सहायक शिक्षक भर्ती-2018 में पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को राहत देने और लंबित नियुक्तियों का रास्ता साफ कराने की मांग को लेकर शनिवार को प्रदेशभर के अभ्यर्थियों ने बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह के मैरिस रोड स्थित आवास पर धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में मथुरा, कासगंज और बरेली समेत प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए अभ्यर्थी शामिल हुए। इस दौरान बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह सामने होटल में मौजूद रहे प्रदर्शनकारियों ने कई बार उन्हें मिलने की मांग की लेकिन वह कुछ देर बाद अपनी गाड़ी से रवाना हो गए। प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थियों ने हाथों में पोस्टर और बैनर लेकर अपनी मांगों की ओर सरकार का ध्यान खींचा। लंबे समय से नियुक्ति की प्रतीक्षा में बीत रही उम्र और भविष्य को लेकर अपनी पीड़ा जाहिर की। अभ्यर्थियों का कहना है कि 68500 सहायक शिक्षक भर्ती-2018 के संबंध में उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के अभ्यर्थियों को उत्तीर्णांक में 5 प्रतिशत की छूट दिए जाने तथा सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने की संस्तुति की है।

मायावती का यू-टर्न, कांशीराम की जयंती पर पार्टी नहीं करेगी शक्ति प्रदर्शन;नहीं होगा सुप्रीमो का भाषण

9 अक्तूबर को परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर राजधानी में होने वाला बसपा का शक्ति प्रदर्शन अब नहीं होगा। बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम के आगामी 9 अक्तूबर को परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर राजधानी में बसपा समर्थकों का हुजूम तो उमड़ेगा, लेकिन उन्हें पार्टी अध्यक्ष मायावती बीते वर्ष की तरह संबोधित नहीं करेंगी। सूत्रों के मुताबिक इस बार मायावती दिल्ली स्थित प्रेरणा स्थल में कांशीराम को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी। उनकी अनुपस्थिति में बसपा के बड़े प्रदेश पदाधिकारियों के नेतृत्व में राजधानी में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। बीते वर्ष कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर बसपा सुप्रीमो ने पुरानी जेल रोड स्थित कांशीराम स्मारक स्थल पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया था जिसमें लाखों लोगों की भीड़ उमड़ी थी। विधानसभा चुनाव से करीब डेढ़ साल पहले हुए इस शक्ति प्रदर्शन से बसपा को खासा जनसमर्थन मिला था। इस बार मायावती ने कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर पूरे प्रदेश से कार्यकर्ताओं व समर्थकों को राजधानी आने को कहा है। हर बार यह कार्यक्रम लखनऊ और नोएडा में होता रहा है लेकिन नोएडा में कार्यक्रम स्थल पर मरम्मत का कार्य जारी होने की वजह से दो बार से टाला जा रहा है। वहीं बसपा सुप्रीमो कई बार 9 अक्तूबर को कांशीराम स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेती रही हैं।

रंगों के फेर में फंसी सियासत, सपा के नीले साफे और भगवा रंग पर ओपी राजभर ने अखिलेश यादव पर साधा निशाना

चुनाव से पहले यूपी की सियासत रंगों के फेर में फंसती दिख रही है। मंत्री ओपी राजभर ने सपा के नीले साफे और भगवा रंग पर अखिलेश यादव पर निशाना साधा। साथ ही राहुल गांधी पर भी जुबानी हमला बोला। यूपी के अंबेडकरनगर पहुंचे कैबिनेट मंत्री एवं सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने शनिवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने अखिलेश यादव के नीले साफे पर तंज कसते हुए कहा कि इसे देखकर दलित समाज को सावधान हो जाना चाहिए। नीले रंग को 2 जून के स्टेट गेस्ट हाउस कांड, प्रमोशन में आरक्षण खत्म करने और महापुरुषों के नाम पर रखे जिलों व अस्पतालों के नाम बदले जाने से भी जोड़ा। साथ ही सपा सरकार के फैसलों की आलोचना की। जिले के प्रभारी मंत्री ने अखिलेश के भगवा रंग अपनाने पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि सपा के शासनकाल में रामभक्तों पर गोली चलाने की घटना की याद आती है, जबकि वर्तमान में भगवा रंग योगी आदित्यनाथ सरकार में माफिया और गैंगवार के खिलाफ कार्रवाई का प्रतीक बन गया है। सपा पर सनातन विरोधी होने का आरोप लगाते हुए

उन्होंने डिंपल यादव के पुराने बयान का भी उल्लेख किया। पिछड़ों-दलितों से दूरी बनाए रखेंगे अखिलेश अखिलेश यादव की प्रस्तावित रथ यात्रा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह महंगी गाड़ी में बैठकर रथ के ऊपर से हाथ हिलाएंगे और पिछड़ों-दलितों से दूरी बनाए रखेंगे। सुभासपा सपा के रथ के पीछे सावधान यात्रा निकालेगी। इसमें नाई, प्रजापति, पाल, गोंड, लोहार, निषाद, राजभर, चौहान और पटेल समेत अन्य पिछड़ी जातियों के बीच सपा की नीतियों को लेकर सवाल उठाए जाएंगे। राहुल गांधी के लोकतंत्र और छोटी पार्टियों को खत्म किए जाने संबंधी आरोपों पर ओमप्रकाश राजभर कहा कि छोटी पार्टियों को कमजोर करने का काम कांग्रेस के इतिहास में रहा है। कांग्रेस प्रत्याशी की गिरफ्तारी के मुद्दे पर कहा कि चुनाव के दौरान प्रत्याशी द्वारा दाखिल हलफनामे में दर्ज मुकदमों की जानकारी सामने आने के बाद कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई होती है। इसे राजनीतिक कार्रवाई के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। आरक्षण का लाभ कुछ ही जातियों तक सीमित रहा ओमप्रकाश राजभर ने आरोप लगाया कि 27 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग आरक्षण का लाभ कुछ ही जातियों तक सीमित रहा। उन्होंने कहा कि 3 सितंबर 2013 के हाई कोर्ट के फैसले में आरक्षण के वर्गीकरण की बात सामने आने के बावजूद तत्कालीन अखिलेश सरकार ने इस दिशा में कदम नहीं उठाया।

यूपीआई के मुद्दे पर केंद्र पर भड़की शिवसेना यूबीटी

शिवसेना (यूबीटी) ने यूपीआई लेन-देन पर प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत एमडीआर शुल्क को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। सामना के संपादकीय में पार्टी ने व्यापारी से शुल्क वसूली के दावे पर सवाल उठाते हुए इसे आम ग्राहकों पर पड़ने वाला अप्रत्यक्ष बोझ बताया और सरकार की नीतियों की आलोचना की। शिवसेना (यूबीटी) ने शनिवार को यूपीआई लेन-देन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाने के फैसले को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी के मुखपत्र %सामना% के संपादकीय में 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर 0.4 प्रतिशत शुल्क लगाने को %शब्दों का खेल% करार दिया गया है। पार्टी ने सरकार के इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया कि यह शुल्क सिर्फ व्यापारियों पर लगेगा और आम जनता पर इसका कोई भार नहीं आएगा। संपादकीय में तर्क दिया गया है कि जिस तरह ईंधन पर उत्पाद शुल्क और जीएसटी का बोझ अंततः ग्राहकों पर ही पड़ता है, उसी तरह व्यापारी भी इस नए खर्च को आम खरीदारों की जेब पर ही डालेंगे। मध्यम वर्ग और खुदरा व्यापारियों की कीमत पर अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए दी जाने वाली एक परोक्ष वसूली बताया गया है। गया।

संपादकीय Editorial

UPI Payment Rates

Keep in mind that the Indian online payment system is appreciated worldwide. Every possible measure should be taken to further expand this system. A fee is imposed on merchant transactions over ?2,000 using UPI. Merchants will bear the fee; person-to-person transactions are free. Fears of increased cash circulation suggest raising the ?2,000 limit. While the path has been cleared for a 0.4 percent merchant discount rate (MDR) on Unified Payments Interface (UPI) payments, opinions are divided among both the public and experts. Meanwhile, the government has indicated that the nominal fee on UPI payments will remain in place. It has also clarified that no fee will be levied on person-to-person transactions, and that any fee levied on payments above ?2,000 will be borne by merchants, not individuals. Businesses have expressed concern over this. Furthermore, their concerns are that merchants will ultimately collect their fees from them. Because of this, it is feared that cash circulation and the black money economy could gain strength. Whatever the future holds, now that UPI transactions are becoming popular, easy, and growing rapidly, nothing should be done that would halt their expansion. This expansion could be halted because the 2,000 rupee limit is too low. If UPI transactions decline due to the government's decision, it would be unfavorable. The need of the hour is to ensure that online payments continue to grow. It is crucial that fintech companies receive financial support to operate online transaction systems. This is necessary because any system has a cost. The expansion of UPI payments will only increase this cost. Currently, the government pays a portion of this cost to banks and fintech companies in the form of subsidies. This is also public money. Clearly, this situation is unsustainable. Fintech companies must be empowered. A middle ground, and one that should be considered, is to increase the fee-paying UPI payment limit to over ?2,000. This will provide relief to the general public and strengthen and popularize India's biggest achievement of the past decade. It should be noted that the Indian online payment system is appreciated worldwide. Every possible measure should be taken to further expand this system. In doing so, the government must also effectively counter the baseless allegations that the government made the decision under pressure from the United States and that it will benefit American card companies. Those spreading these rumors are deliberately ignoring the fact that UPI payment rates are much lower than those of American card companies.

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश ,
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली
,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

Teacher qualifications must be ensured.

India is not immune to the trends in the PISA report. Therefore, our policymakers should also consider this. The PISA report showed a global decline in reading skills.

The lack of qualified teachers in India is a major challenge. There is an urgent need for rapid improvement in teacher training. The Organisation for Economic Co-operation and Development (OECD)'s Programme for International Student Assessment (PISA) is currently being discussed worldwide. In addition to the countries included in the group, it is also being discussed in countries interested in education reform. The report presents a study and analysis of the achievements of 760,000 children aged 15 years in 91 countries and economies by 2025. It focuses on their abilities in mathematics, science, and other subjects. The PISA process began in 2000.

India participated in the study only in 2009, and that study focused on children from Tamil Nadu and Himachal Pradesh. India's educational level ranked 73rd and 74th. This brought the country into disrepute, and the then-government suspended its participation. Even though India did not participate in the 2025 program, studying its results can be extremely beneficial, as the speed at which educational change is taking place at this juncture in history is unimaginable. In such a situation, only rapid reforms to the entire system and its work culture can help maintain momentum.

If we examine this 2025 report in light of current circumstances and pedagogical changes, it becomes clear that the PISA report's findings are not unexpected. According to this report, there has been an average decline of 28 points in interest in reading, or rather, reading skills, over the past ten years. This is similar to what every vigilant and alert teacher in India is witnessing. However, this decline was only in OECD countries; in others, the level of stagnation remained the same.

The penetration of mobile phones, internet, and AI may have been limited in those countries. The report also reiterated that lack of resources and a lack of competent and trained teachers remain a global problem. Some more, some less. Children's interests are rapidly changing. Their stress levels are increasing. At such a time, they need not only trained and sensitive teachers but also counselors with an appropriate student-teacher ratio, who can devote more time to guiding them in thinking and understanding in the right direction, while also fostering sensitivity in them.

The PISA report also attempted to assess the ability to critically analyze scientific facts and evidence. It also examined the state of the skill to distinguish right from wrong from the vast amount of information available to us. It should not be forgotten that future generations will have to find solutions to climate change and environmental concerns. This mindset should also be adopted by curriculum design experts in India. Even today, institutions are opening in India that teach curricula designed decades ago. Seeing the findings of the PISA report, it is natural for teachers like me to be concerned about their own situation and shortcomings.

According to a survey by the Tata Institute of Social Sciences, 48 ??percent of government schools in the country have one teacher teaching multiple classes simultaneously due to a teacher shortage. Despite this shortage, 54 percent of teachers in rural areas and 47 percent in urban areas consider engaging their classes in administrative work, such as elections and censuses, to be detrimental to children. Such circumstances breed frustration, disappointment, and disrespect in the school work culture. Doesn't the Right to Education Act mandate that access to competent, dedicated, and sensitive teachers is a fundamental right of children?

The central government launched a project called "Operation Blackboard" during the implementation of the 1986/92 Education Policy. The goal was to rapidly convert every one-room, one-teacher school into at least two-room, two-teacher schools. The central government bore the entire cost. Both goals were achieved. However, systemic slackness results in over 100,000 single-teacher schools in India even today. As a result, people are turning to private schools, and the arbitrariness of private schools is steadily increasing. The credibility of government schools has declined, and only those children who have no other option are studying there. Nearly one lakh government schools have closed in the last decade.

India is not untouched by the trends of the PISA report. Therefore, our policymakers should also consider this. Common sense arises from this and suggests that the need for qualified teachers has always been important. Now, the teacher's responsibility must also be shifted towards the needs of maintaining a child's mental and emotional health.

To achieve this, radical changes will have to be initiated immediately in teacher training institutions.

The Core Message of the Modi Era

As India moves towards a developed India, ambition is not limited to building a larger economy, a stronger infrastructure network, or a more efficient governance system. PM Modi championed the principle of "Sabka Saath, Sabka Vikas." Special emphasis was placed on empowering marginalized groups by bringing them into the mainstream. Development of the Northeast, tribal upliftment, and financial inclusion were key achievements. During my five-year tenure as President, from 2017 to 2022, I closely observed Narendra Modi as Prime Minister. Based on this experience and my association with him in public life, I would like to share some thoughts on the occasion of his birthday. From taking charge of the elected government in Gujarat in October 2001 to assuming the responsibility of the Prime Minister's Office in 2014, Prime Minister Modi has consistently championed a simple yet transformative idea: "Sabka Saath, Sabka Vikas."

The most significant change of the Modi era is not just bringing development to the underprivileged, but also bringing them into the mainstream.

The Modi government has gradually shifted its focus from selectivity to universal access, inclusion rather than exclusion, and empowerment rather than mere entitlement. The question is not whether the government has launched a scheme, but whether the least likely person to benefit from it has actually benefited. Perhaps no example better illustrates this shift than the Northeast.

Since November 2014, Prime Minister Modi has visited the Northeast region more than 83 times. These visits have been accompanied by sustained efforts to promote connectivity, infrastructure, investment, and peace. Twelve major peace agreements have been signed in the region. Meanwhile, more than ?7 lakh crore has been allocated for the development of the Northeast between 2014-15 and 2025-26, compared to approximately ?1.4 lakh crore allocated in the previous decade. The infrastructure map of the Northeast is also changing.

For years, remote settlements were commonly described as the country's "last villages." The Modi government has consciously attempted to change this terminology and, more importantly, the policy priority behind it. Now, they are seen as India's "first villages." The Vibrant Villages program institutionalizes this idea in remote border areas through roads, connectivity, tourism, livelihoods, and essential services. Instead of accepting 112 historically underdeveloped districts as permanently backward areas, this program promotes measurable results, connectivity, and competitive development by accelerating progress in health, education, infrastructure, and livelihoods.

In 2023, the Aspirational Blocks program covers 500 blocks in 329 districts. The message is clear: geography cannot cause a permanent disadvantage to a region. This philosophy is also reflected in the approach to tribal communities. The Ministry of Tribal Affairs' budget has increased by 243 percent over the past decade. All 75 particularly vulnerable tribal groups are covered under the PM-Janman Nidhi Yojana (PM-JAN-MAJI). Focus is on housing, roads, drinking water, health services, and other basic necessities. The Dharti Aaba Janjati Gram Utkarsh Abhiyan (Dharti Aaba Janjati Gram Utkarsh Abhiyan) further advances this approach. It works through coordinated efforts across various government departments to address long-standing development gaps in tribal-dominated villages and settlements of particularly vulnerable tribal groups.

Over 59 crore Jan Dhan accounts have connected families previously excluded from the formal financial system. Direct Benefit Transfers (DBTs) have enabled government assistance to reach beneficiaries directly and have contributed to cumulative savings of over ?5.14 lakh crore so far by curbing revenue leakages. This massive expansion of financial inclusion has also expanded access to basic services. The Saubhagya Yojana achieved 100 percent electrification in rural areas. The Ujjwala Yojana provided clean cooking fuel to over 100 million families. The Jal Jeevan Mission provided tap water connections to 130 million rural families.

A significant aspect of the Modi government has been its transformation from mere beneficiary to partner, from recipient of assistance to entrepreneur, and from partner in development to leader of development. The Swachh Bharat Mission addressed a critical issue directly related to women's dignity, safety, and health. The Mudra Yojana enabled women to engage in entrepreneurship at an unprecedented scale, with women accounting for 68 percent of total Mudra loans. Women also account for 46 percent of PM SVANidhi beneficiaries. The Lakhpati Didi initiative places women's economic empowerment at the heart of rural transformation. The core objective of "Sabka Saath,

मुरादाबाद होमगार्ड भर्ती दौड़ में पांच अभ्यर्थी गिरे, दो के पैर फ्रैक्चर

दरोगा भर्ती की तैयारी करने वाले होमगार्ड बनने के लिए लगा रहे दौड़

मुरादाबाद में होमगार्ड भर्ती दौड़ के दौरान शुक्रवार को एक अभ्यर्थी की मौत के बाद शनिवार को पांच अन्य अभ्यर्थी गश खाकर गिर गए। इनमें से दो को पैर में फ्रैक्चर हुआ है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि तीन को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। शुक्रवार को हुई मौत के बाद शनिवार को फिर हुई घटना।

होमगार्ड भर्ती दौड़ में पांच अभ्यर्थी गश खाकर गिरे। दो अभ्यर्थियों के पैर में फ्रैक्चर, तीन को मिली छुट्टी होमगार्ड भर्ती दौड़ में शुक्रवार को दौड़ते हुए गिरकर हुई अभ्यर्थी की मौत के बाद शनिवार को पांच अभ्यर्थी दौड़ते हुए गश खाकर गिर गए। पांचों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। दो के पैर में फ्रैक्चर हो गया। जबकि तीन को उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है।

होमगार्ड भर्ती दौड़ के पांचवें दिन 1050 अभ्यर्थियों को बुलाया गया था। जिसमें से 995 अभ्यर्थी पहुंचे। जिसमें से 890 ने समय पर दौड़ पूरी कर ली। जबकि 105 अभ्यर्थी समय पर दौड़ पूरी नहीं कर पाए। जिसके चलते उन्हें भर्ती प्रक्रिया से बाहर कर दिया। पांच अभ्यर्थी गश खाकर गिरे एसपी क्राइम व भर्ती के नोडल अधिकारी सुभाषचंद्र गंगवार ने बताया कि तीन अभ्यर्थियों को जिला अस्पताल के बाद उपचार से डिस्चार्ज कर दिया गया है। दो के पैर में फ्रैक्चर हुआ है। उनका उपचार चल रहा है। शाहजहांपुर के भीरा थाना क्षेत्र के पड़रिया तिलकपुर निवासी अनुराग शुक्ला एमए हैं। वह शुक्रवार को होमगार्ड भर्ती की दौड़ में शामिल हुए, लेकिन 12वें राउंड के दौरान गिरकर घायल हो गए। इस तरह होमगार्ड बनने की उनकी ख्वाहिश भी अधूरी रह गई। बरेली स्टेडियम में चल रही होमगार्ड भर्ती की दौड़ में शामिल अभ्यर्थियों की शैक्षिक योग्यता ने बेरोजगारी की तस्वीर का दूसरा पहलू भी उजागर कर दिया है। कोई बीए पास है तो कोई एमए । कई युवा दरोगा भर्ती समेत अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में भी किस्मत आजमा चुके हैं, लेकिन नौकरी नहीं लगी। होमगार्ड का मासिक मानदेय 27 हजार रुपये है। इसलिए डिग्रीधारक बेरोजगार युवा होमगार्ड बनने को भी तैयार हैं। वह भर्ती में जी-जान से डटे हैं। शाहजहांपुर के भीरा थाना क्षेत्र के पड़रिया तिलकपुर निवासी अनुराग शुक्ला एमए हैं। वह शुक्रवार को होमगार्ड भर्ती की दौड़ में शामिल हुए, लेकिन 12वें राउंड के दौरान गिरकर घायल हो गए। इस तरह होमगार्ड बनने की उनकी ख्वाहिश भी अधूरी रह गई। मुरादाबाद के भगतपुर थाना क्षेत्र के महेशपुर खेमा निवासी बीए पास रमेश सिंह भी होमगार्ड भर्ती की उम्मीद लेकर आए थे। दौड़ पूरी करने के बाद अचानक गिर पड़े और घायल हो गए। लखीमपुर के भीरा थाना क्षेत्र निवासी विनीत भी बीए पास हैं। वह भी उम्मीद लेकर आए थे, लेकिन चौथे राउंड में गिरकर जख्मी हो गए। बोले कि हमारी कई दोस्त दुकानों पर आठ-दस हजार रुपये की नौकरी कर रहे हैं। उन्हें देखकर सोचता हूं की होमगार्ड की नौकरी उससे कई गुना अच्छी है। फिलहाल जिला अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है।

संभल में पेड़ से लटके मिले नाबालिग प्रेमी युगल: परिजन रातभर करते रहे तलाश, बंदिश लगने के बाद उठाया खौफनाक कदम

बनियाठेर क्षेत्र के गांव नेहटा में नाबालिग प्रेमी युगल ने फंदा लगाकर जान दे दी। दोनों के शव शनिवार सुबह आम के पेड़ पर लटके मिले। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। थाना बनियाठेर क्षेत्र के गांव नेहटा में प्रेम प्रसंग के चलते नाबालिग प्रेमी युगल ने आम के पेड़ पर फंदा लगाकर जान दे दी। दोनों के परिजन रातभर उनकी तलाश करते रहे लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। शनिवार सुबह करीब नौ बजे खेत स्वामी के पहुंचने पर घटना की जानकारी हुई। सूचना मिलते ही चंदौसी कोतवाली और बनियाठेर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। सीओ विवेक जावला ने परिजनों से घटना की जानकारी ली। फॉरेंसिक टीम ने मौके से नमूने जुटाए हैं। मृतकों में कोतवाली चंदौसी क्षेत्र के गांव सैजनी निवासी 17 वर्षीय युवक और 16 वर्षीय युवती शामिल हैं। दोनों के घरों के बीच सात-आठ मकानों का अंतर है। वहीं गांव के बाहर दोनों परिवारों के घेर एक-दूसरे से सटे हुए हैं।पुलिस के मुताबिक दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। सावन माह में दोनों परिवारों को इसकी जानकारी हुई थी। इसके बाद उन पर बंदिशें लगनी शुरू हो गई थीं। मृतक युवक की मां ने बताया कि उसका बेटा दो दिन से गणेश मेला देखने जा रहा था। शुक्रवार शाम करीब सात बजे भी वह मेला जाने के लिए घर से निकला था।रात करीब 11 बजे युवती के गायब होने की जानकारी हुई। इसके बाद

युवती की मां युवक के घर पहुंची और उसके बारे में पूछताछ करने लगी। इसके बाद दोनों परिवारों ने उनकी तलाश शुरू कर दी। रातभर तलाश करने के बावजूद दोनों का कोई पता नहीं चला। शनिवार सुबह करीब नौ बजे गांव से लगभग आधा किलोमीटर दूर थाना बनियाठेर क्षेत्र के गांव नेहटा निवासी नीरज शर्मा अपने धान के खेत पर पहुंचे।खेत में ट्यूबवेल की कोठरी के पास आम के पेड़ पर युवक-युवती के शव फंदे से लटके मिले। युवक के गले में पिंक रंग का दुपट्टा और युवती के गले में काले रंग का गोल्डन बॉर्डर वाला गमछा कसा था। घटना की सूचना पर सीओ विवेक जावला, कोतवाल संत कुमार और थाना बनियाठेर प्रभारी बोबिंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से नमूने लिए। मौके से युवती की चप्पल भी मिली, जबकि युवक की जेब से युवती का कीपैड मोबाइल बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सीओ विवेक जावला ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग का प्रतीत हो रहा है। दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं। मामले की जांच की जा रही है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बिलारी (मुरादाबाद)

नोटिस ::

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मोहल्ला अब्दुल्ला वार्ड संख्या-23, तहसील बिलारी स्थित भवन संख्या-222, जो गृहकर अभिलेखों में श्रीमती जैबुल निशां पत्नी श्री मोहम्मद निसार व श्री मोहम्मद निसार पुत्र श्री मोहम्मद इसहाक, निवासी मोहल्ला अब्दुल्ला, कस्बा व तहसील बिलारी के नाम दर्ज है, द्वारा उक्त भवन के 83.612 वर्गमीटर भाग पर गृहकर अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में एक प्रार्थना पत्र दिनांक 10/08/2026 को प्रेषित किया गया है। जिसके साथ इनके द्वारा प्रार्थना पत्र के विक्रय पत्र (बैनामे) की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित की गई है।

क्र म सं०	भवन संख्या	मोहल्ला	वर्तमान में दर्ज नाम	नाम परिवर्तन की दशा में गृहकर का प्रकार
1	222	अब्दुल्ला	श्रीमती जैबुल निशां पत्नी श्री मोहम्मद निसार व श्री मोहम्मद निसार पुत्र श्री इसहाक	श्री मो. यूसुफ पुत्र श्री सगीर अहमद

उक्त के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस नोटिस की दिनांक से 30 दिन के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में साक्ष्यों सहित कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समय-सीमा तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में आवेदक का नाम गृहकर अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा। दर्ज करने के उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

राजस्व निरीक्षक
नगर पालिका परिषद, बिलारी
(मुरादाबाद)

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बिलारी (मुरादाबाद)

नोटिस ::

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मोहल्ला अब्दुल्ला, वार्ड संख्या-23, तहसील बिलारी स्थित भवन संख्या-288, जो गृहकर अभिलेखों में श्री अशफाक पुत्र श्री इशहाक, निवासी मोहल्ला अब्दुल्ला, कस्बा व तहसील बिलारी के नाम दर्ज है, पर श्री मोहम्मद इमरान सैफी पुत्र श्री मोहम्मद इरफान सैफी, निवासी उड़ानी, ग्रामीण उड़ानी, बदायूं द्वारा उक्त भवन के रकबे 83.62 वर्गमीटर भाग पर गृहकर अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में एक प्रार्थना पत्र दिनांक 25/06/2026 को प्रेषित किया गया है, जिसके साथ इनके द्वारा प्रार्थना पत्र के विक्रय पत्र (बैनामे) की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित की गई है।

क्र म सं०	भवन संख्या	मोहल्ला	वर्तमान में दर्ज नाम	नाम परिवर्तन की दशा में गृहकर का प्रकार
1	288	अब्दुल्ला	श्री अशफाक पुत्र श्री इशहाक	श्री मोहम्मद इमरान सैफी पुत्र श्री मोहम्मद सैफी

उक्त के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस नोटिस की दिनांक के 30 दिन के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में साक्ष्यों सहित कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समय-सीमा तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में आवेदक का नाम गृहकर अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा। दर्ज करने के उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

राजस्व निरीक्षक
नगर पालिका परिषद, बिलारी
(मुरादाबाद)

नवनिर्मित कोतवाली भवन का डीएम-एसएसपी ने किया निरीक्षण

हैंडओवर से पहले व्यवस्थाओं का जायजा लेकर जरूरी कार्य समय से पूरा करने के दिए निर्देशबिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंसिया और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने शनिवार को नवनिर्मित कोतवाली भवन का निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने भवन को हैंडओवर किए जाने से पहले विभिन्न कक्षों, प्रशासनिक व्यवस्थाओं, पुलिसकर्मियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण कार्य से जुड़े कर्मचारियों से शेष कार्यों की जानकारी लेते हुए सभी जरूरी कार्य समय से पूरा करने के निर्देश दिए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि भवन हैंडओवर किए जाने से पहले सभी आवश्यक कार्य पूरे कराने के साथ ही व्यवस्थाओं की अच्छी तरह जांच कर ली जाए, ताकि कोतवाली का संचालन शुरू होने के बाद किसी प्रकार की परेशानी न हो।एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि नवनिर्मित भवन का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है और जल्द ही इसे हैंडओवर किया जाएगा। नए भवन में उपलब्ध सुविधाओं के साथ कोतवाली का कामकाज संचालित होने से पुलिसकर्मियों के साथ आम लोगों को भी सुविधाएं मिलेंगी। निरीक्षण के दौरान पुलिस क्षेत्राधिकारी अशोक कुमार सिंह, उपजिलाधिकारी प्रिंस वर्मा, कोतवाली प्रभारी उदय प्रताप सिंह समेत पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

रोडवेज बस और बाइक की आमने-सामने भिड़ंत, मामा की मौत, भांजा और बेटा घायल

बबराला में आगरा-मुरादाबाद हाईवे पर रोडवेज बस और बाइक की आमने-सामने भिड़त में बाइक सवार रजनेश (26) की मौत हो गई। हादसे में उनका तीन वर्षीय बेटा भूरे मामूली और भांजा देव गंभीर रूप से घायल हो गया।बबराला थाना क्षेत्र में आगरा-मुरादाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारत पेट्रोल पंप के नजदीक शनिवार सुबह तेज रफ्तार पीतल नगरी रोडवेज डिपो की बस और बाइक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार रजनेश (26) निवासी गांव नदरौली, हाल निवासी लोहिया कॉलोनी बबराला की मौके पर ही मौत हो गई इसके साथ ही उनका तीन वर्षीय बेटा भूरे मामूली रूप से और भांजा देव निवासी बेलान, थाना नरौरा जनपद बुलंदशहर गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया गया कि रजनेश अपने बेटे भूरे और भांजे देव के साथ बाइक से बबराला थाना क्षेत्र के गांव फरीदपुर से दूध लेने जा रहे थे।बाइक में पेट्रोल कम होने के कारण वह पेट्रोल डलवाने आगरा मुरादाबाद नेशनल हाईवे पर स्थित भारत पेट्रोल पंप के नजदीक पहुंचे ही थे। उसी समय सामने से आ रही रोडवेज बस से बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार सड़क पर दूर-दूर जा गिरे और घायल हो गए।मौके पर भीड़ लग गई । सूचना पर स्थानीय पुलिस और परिजन मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को सीएचसी बबराला पहुंचाया। चिकित्सकों ने रजनेश को मृत घोषित कर दिया। देव की हालत गंभीर देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। वहीं भूरे को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया।परिजनों ने बताया कि देव अपने ननिहाल बबराला में रहकर पढ़ाई करता था। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजनों में चीख पुकार मच गई। पुलिस ने रजनेश के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही रोडवेज बस को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुटी है।

एमडीआर के मुद्दे पर कांग्रेसियों ने किया हंगामा, पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रोका

रामपुर। यूपीआई से जुड़े मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) के मुद्दे पर शुक्रवार को कांग्रेसी भड़क गए। कृषि राज्यमंत्री को ज्ञापन देने बिलासपुर जा रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने कैंप कार्यालय के बाहर बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। रास्ता रोके जाने से नाराज कांग्रेसियों और पुलिस के बीच नोकझोंक हुई। काफी देर तक मौके पर हंगामा चलता रहा। बाद में कांग्रेसियों ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सीओ सिटी को सौंपा। कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शुक्रवार को जौहर रोड स्थित पूर्व विधायक संजय कपूर के कैंप कार्यालय पर एकत्र हुए थे। जिलाध्यक्ष प्रमिल कुमार शर्मा निक्कू पंडित के नेतृत्व में उन्हें बिलासपुर पहुंचकर कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख को ज्ञापन देना था। कांग्रेसी कार्यालय से निकलने की तैयारी कर रहे थे, तभी पुलिस ने बाहर बैरिकेडिंग कर रास्ता रोक दिया। पुलिस के इस कदम पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया। कार्यकर्ताओं की पुलिस से नोकझोंक भी हुई।कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि एमडीआर के नाम पर आम जनता, छोटे दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी वालों से किसी तरह की अतिरिक्त वसूली नहीं होनी दी जाएगी। इसी मांग को लेकर कार्यकर्ता कृषि राज्य मंत्री को ज्ञापन देने जा रहे थे, लेकिन उन्हें कार्यालय के बाहर ही रोक दिया गया।कांग्रेसियों ने कहा कि यूपीआई के जरिये भुगतान करने वाले छोटे कारोबारियों को एमडीआर और उससे संबंधित नियमों की स्पष्ट जानकारी दी जानी चाहिए। इसके साथ ही किसी भी तरह की अनधिकृत वसूली की शिकायत मिलने पर कार्रवाई होनी चाहिएइसमें यूपीआई से जुड़े एमडीआर की स्थिति स्पष्ट करने, छोटे कारोबारियों को जानकारी देने, शिकायतों का जल्द निस्तारण करने और अनधिकृत वसूली पर कार्रवाई की मांग की गई। इस दौरान बाकर अली खान, आमिर कुरैशी, नोमान मुमताज खान, गुरबाज सिंह, राजेश लोधी आदि मौजूद रहे।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

वक्फ की जमीन भूमाफिया को बेची, ग्रामीणों ने डीएम से की शिकायत, होगी जांच

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बहेड़ी तहसील के सभागार में शनिवार को जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। डीएम ने कुल 200 शिकायतें सुनीं, जिनमें राजस्व से संबंधित 70, पुलिस से 27 और पूर्ति विभाग से 60 शिकायतें शामिल रहीं।

वक्फ की जमीन भूमाफिया को बेचने का मामला भी सामने आया है। जिस पर डीएम ने जांच कराने की बात कही है। गरगईया गांव के प्राथमिक विद्यालय में 15 दिन तक मध्यान्ह भोजन न बनवाने के मामले में जिलाधिकारी ने प्रधानाध्यापिका नीता गंगवार और बीएसए को मौके पर तलब कर पूछताछ की। बताया गया कि एसडीएम गोपाल शर्मा के पहुंचने के बाद तीन दिन पहले ही भोजन व्यवस्था दोबारा शुरू कराई गई थी। डीएम ने बीएसए को प्रधानाध्यापिका को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। प्रधानाध्यापिका ने बताया कि उन्हें एक माह का एमडीएम का पैसा नहीं मिला था, जिसकी सूचना खंड शिक्षा अधिकारी को दी गई थी। इस पर डीएम ने रुका हुआ भुगतान तुरंत जारी कर छात्रों को नियमित भोजन देने और इसकी दैनिक मॉनिटरिंग एसडीएम द्वारा करने के आदेश दिए। जाम सावंत गांव के ग्रामीणों ने ज्ञापन देकर बताया कि जाम बाजार क्षेत्र हाईवे से लगा हुआ है, जहां वक्फ की जमीन को गांव के कुछ लोगों ने भूमाफिया के हाथों बेच दिया है। उस पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्य शिकायतकर्ता ताहिर को आश्वासन देते हुए डीएम ने कहा कि वह स्वयं मामले की जांच करेंगे। उन्होंने बताया कि इस संबंध में मौलाना शहाबुद्दीन रजवी भी उनसे मिल चुके हैं। फिलहाल जमीन पर किसी भी तरह के निर्माण या लेवलिंग पर रोक रहेगी और स्वरूप बदलने का प्रयास करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

निजीकरण की राह पर भाजपा, वादों से मुकर रही सरकार – राजेंद्र पाल गौतम

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजेंद्र पाल गौतम ने शनिवार को नवाबगंज में आयोजित पिछड़ा वर्ग सम्मेलन और बरेली में दस्तकार-बुनकर सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। पूर्व विधायक छोटेलाल गंगवार द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि सरकार अपने वादों से मुकर रही है और देश की सार्वजनिक व्यवस्था को गुपचुप तरीके से निजी हाथों में सौंपने की साजिश रची जा रही है। गौतम ने कहा कि महंगी शिक्षा और बेरोजगारी ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। लाखों रुपये खर्च करने के बाद भी युवाओं के पास रोजगार की कोई गारंटी नहीं है। उन्होंने जनता से राहुल गांधी के नेतृत्व को मजबूत करने की अपील की। बीसलपुर रोड पर आयोजित दस्तकार-बुनकर सम्मेलन में उन्होंने कहा कि बदलते दौर में पारंपरिक हुनर के साथ उच्च और तकनीकी शिक्षा बेहद जरूरी है। वहीं, प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक हसन आरिफ ने बुनकरों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने का आह्वान किया। यूपी पिछड़ा वर्ग अध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि जनता अब भाजपा के बहकावे का जवाब देने का मन बना चुकी है।?इस मौके पर जिलाध्यक्ष असफाक सक्लेनी, ओमवीर यादव, पंडित राज शर्मा, महानगर अध्यक्ष दिनेश दादा, केबी त्रिपाठी, अजय शुक्ला, असलम चौधरी और बंसी गंगवार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

UPI पर 0.4% MDR की मार: छोटे व्यापारियों एवं आम जनता की जेब पर नया बोझ , पीएम और सीएम को भेजा पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। पूर्व सांसद प्रवीण सिंह ऐरन और पूर्व मेयर सुप्रिया ऐरन ने 2,000 से अधिक के व्यापारी यूपीआई (UPI) लेन-देन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर (MDR) व्यवस्था लागू किए जाने पर गंभीर चिंता जताई है। दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर इस निर्णय पर तत्काल पुनर्विचार की मांग की है। सीमित मार्जिन वाले दुकानदारों पर सीधा असर-नेताओं ने कहा कि आम जनता और छोटे कारोबारी पहले से ही नगर निगम कर, टोल टैक्स और बढ़ती महंगाई की मार झेल रहे हैं। सरकार का तर्क है कि 96% लेन-देन इससे बाहर रहेंगे, लेकिन जिन पर यह शुल्क लागू होगा, उनकी वास्तविक समस्या को अनदेखा नहीं किया जा सकता। बड़े कॉर्पोरेट्स के पास खर्च संभालने के कई रास्ते हैं, लेकिन सीमित पूंजी और कम मुनाफे में दुकान चलाने वाले छोटे व्यापारियों की कमर टूट जाएगी। ऐरन दंपती ने स्पष्ट किया कि एमडीआर भले ही सरकारी टैक्स न होकर एक सिस्टम लागत है, पर इसका अंतिम असर बाजार पर ही पड़ेगा। यदि दुकानदार इसे खुद भरेगा तो उसका मुनाफा घटेगा, और यदि लागत वस्तुओं में जोड़ेगा तो महंगाई सीधे आम उपभोक्ता की जेब काटेगी। उन्होंने साफ किया कि वे डिजिटल इंडिया या यूपीआई के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि छोटे व्यापारियों पर थोपे जा रहे अतिरिक्त आर्थिक बोझ के विरोधी हैं। ?पत्र के माध्यम से केंद्र सरकार से वैकल्पिक मॉडल तैयार करने तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से प्रदेश के व्यापारियों के हित में केंद्र के समक्ष यह मुद्दा प्रमुखता से उठाने का अनुरोध किया गया है।

बहेड़ी तहसील में अन्नपूर्णा प्रेरणा कैंटीन का आगाज, अब दीदियों के हाथ में होगी कमान

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। आत्मनिर्भर नारी की दिशा में कदम बढ़ाते हुए तहसील बहेड़ी परिसर में अन्नपूर्णा मॉडल प्रेरणा कैंटीन की शुरुआत की गई। जिलाधिकारी अविनाश सिंह और मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) देवयानी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर इसका विधिवत उद्घाटन किया।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत शुरू हुई इस कैंटीन की पूरी कमान आज़ाद प्रेरणा महिला संकुल संघ) से जुड़े 6 स्वयं सहायता समूहों की प्रशिक्षित दीदियों को सौंपी गई है। कैंटीन से होने वाली पूरी कमाई सीधे इन महिलाओं के खाते में जाएगी। तहसील आने वालों को मिलेगा घर जैसा स्वाद जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने कहा कि यह पहल ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक संबल देने के साथ-साथ तहसील आने वाले सैकड़ों फरियादियों, अधिकारियों और कर्मचारियों को किफायती दर पर स्वच्छ व पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराएगी। वहीं, सीडीओ देवयानी ने कहा कि समूह की दीदियां अब सिर्फ चौके-चूल्हे तक सीमित न रहकर कुशल उद्यमी बन रही हैं। उन्होंने सभी से कैंटीन को बढ़ावा देने की अपील की। ?इस अवसर पर ब्लॉक मिशन प्रबंधक, तहसील के अधिकारी, कर्मचारी और समूह से जुड़ी कई दीदियां मौजूद रहीं।

तेज धूप के बाद अचानक छाए काले बादल, फिर शुरू हुआ आंधी-बारिश का दौर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जिले में शनिवार को मौसम ने दिनभर कई रंग दिखाए। सुबह तेज धूप निकलने से लोगों को हल्की गर्मी महसूस हुई।

दोपहर बाद अचानक मौसम अनुकूल हुआ और आसमान में घने बादल छा गए। इसके बाद शहर और आसपास के क्षेत्रों में झमाझम वर्षा शुरू हो गई, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई और लोगों को गर्मी से राहत मिली

गुमशुदगी की रिपोर्ट से खुला पति की हत्या का राज, पत्नी और प्रेमी गिरफ्तार भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / शेर सिंह / भुता। ग्राम फैजनगर में पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति गला घोटकर हत्या के मामले में पुलिस ने आला कत्ल बरामद कर जेल भेज दिया है। थाना क्षेत्र के फैजनगर गांव में पति की हत्या के मामले में पुलिस ने उसकी पत्नी नरगिस और उसके प्रेमी राजा उर्फ रियाज को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

पुलिस के अनुसार, दोनों ने रात में सोते समय रस्सी से गला घोंटकर 40 वर्षीय पप्पू की हत्या की और शव को बाइक से मिर्जापुर गांव स्थित भट्टे के पास झाड़ियों में फेंक दिया।

हत्या के बाद पुलिस और परिवार को गुमराह करने के लिए नरगिस ने पति की गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस के मुताबिक, गुमशुदगी में पप्पू की उम्र 70 वर्ष लिखी गई थी। बाद में कल प्रेमी राजा से विवाद होने पर नरगिस ने उसी पर पति की हत्या का आरोप लगाते हुए

पुलिस को तहरीर दी। पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान नरगिस के बयानों में विरोधाभास सामने आया। गांव में उसके और राजा के बीच प्रेम संबंधों की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। तभी दोनों ने हत्या का राज उगल दिया।

पुलिस को पत्नी नरगिस ने बताया कि चार साल से हमारा प्रेम संबंध राजा उर्फ रियाज चल रहा था । पुलिस के समक्ष पूछताछ में दोनों ने हत्या की बात स्वीकार की है। पुलिस ने दोनों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त प्लास्टिक की रस्सी व एक मोटरसाइकिल बरामद कर दोनों को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया है। थाना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पोस्टमार्टम के दौरान लंबी हड्डियों को सुरक्षित रखा गया है। उन्हें फॉरेंसिक लैब भेजकर जांच कराई जाएगी। रिपोर्ट आने के बाद मृत्यु के कारण की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मेरे सपनों का भारत': बच्चों ने रंगों से उकेरा विकसित भारत, विजेताओं को मिले पुरस्कार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। सेवा संकल्प अभियान के तहत नगर क्षेत्र के दो विद्यालयों में 'मेरे सपनों का भारत' थीम पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें नन्हे बच्चों ने अपनी कल्पना के सुंदर रंग भरे। ?कंपोजिट विद्यालय जसोली में आयोजित कार्यक्रम में कैंट विधायक संजीव अग्रवाल मुख्य अतिथि रहे। खंड शिक्षा अधिकारी (नगर) विजय कुमार ने उनका स्वागत कर बच्चों को प्रतियोगिता के उद्देश्य से जोड़ा। मुख्य अतिथि ने बच्चों को 'विकसित भारत' की संकल्पना से परिचित कराया और अमरीश कठेरिया, प्रवेश वर्मा व सभासद सागर मौर्य के साथ मिलकर शीर्ष 5 विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत व सम्मानित किया। मंच संचालन एआरपी मदन मोहन उपाध्याय ने किया और इंचार्ज प्रधानाध्यापिका नीरजा सक्सेना ने आभार व्यक्त किया। उधर, कंपोजित विद्यालय खड़ौआ द्वितीय में भी यह अभियान धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने चित्रकला प्रतियोगिता के 5 सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र व पुरस्कार बांटे। दोनों आयोजनों में खंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार सहित शिक्षक सुलेखा अवस्थी, अदीव फात्मा, प्रियंका सक्सेना, सर्वेश गंगवार, अंकुश अग्रवाल, अनिल कुमार व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

हाईवे पार करते समय 15 वर्षीय छात्र को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौके पर मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। फतेहगंज पूर्वी थाना क्षेत्र के टिसुआ गांव में शनिवार सुबह नेशनल हाईवे पर सड़क हादसे में 15 वर्षीय किशोर की मौत हो गई।

हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की सूचना किशोर के परिजनों को दे दी गई है। बाकरगंज गांव निवासी अनमोल कक्षा दसवीं का छात्र था।

बताया गया कि शनिवार सुबह वह अपने दोस्त के साथ टिसुआ में कोचिंग पढ़ने के लिए गया था। कोचिंग के बाद दोनों हाईवे के पास पहुंचे। इसी दौरान अनमोल के दोस्त ने बाइक सड़क किनारे खड़ी की और पानी पीने के लिए चला गया। इसी बीच अनमोल ने बाइक स्टार्ट कर ली और सड़क पार करने का प्रयास करने लगा। बताया जा रहा है कि जैसे ही अनमोल बाइक लेकर हाईवे पार करने लगा, उसी दौरान बरेली की ओर से तेज गति से आ रहे अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि अनमोल गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

बहेड़ी समाधान दिवस में चकबंदी कानूनगो पर भड़के डीएम बैठाई जांच, मौके पर बांटे राशन कार्ड

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बहेड़ी (बरेली)। तहसील सभागार में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी अविनाश सिंह का कड़ा रुख देखने को मिला। फरियादियों की समस्याएं सुनते हुए डीएम ने दो टूक चेतावनी दी कि भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं होगा। ग्राम बांकौली में चकबंदी कानूनगो द्वारा अनावश्यक दबाव बनाने की शिकायत पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताते हुए बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी को तत्काल जांच कर कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए। वहीं मुरारपुर में भू-माफिया के अवैध कब्जे और लेखपाल की हीलाहवाली पर तहसीलदार को मौके पर जांच कर कुर्रा बंटवारे का आदेश दिया। ?जनसुनवाई के दौरान डीएम ने त्वरित राहत देते हुए दो पात्र लाभार्थियों के मौके पर ही राशन कार्ड बनवाकर सौंपे। इसके बाद उन्होंने तहसील परिसर में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित %प्रेरणा कैंटीन% का फीता काटकर शुभारंभ किया। उन्होंने कर्मचारियों से कैंटीन के भोजन और टिफिन सुविधा का उपयोग कर नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की अपील की। इस मौके पर सीडीओ देवयानी, एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्र, सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह और एसडीएम गोपाल शर्मा समेत अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

बीडीए में सचिव वंदिता श्रीवास्तव की छुट्टी, हिमांशु गुप्ता को मिली बड़ी जिम्मेदारी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। विकास प्राधिकरण (बीडीए) में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ है, जिसमें सचिव वंदिता श्रीवास्तव को हटाकर हिमांशु कुमार गुप्ता को नया सचिव नियुक्त किया गया है। नए सचिव के सामने अवैध निर्माणों पर रोक लगाने और विकास परियोजनाओं को समय पर पूरा कराने की मुख्य चुनौती होगी। प्राधिकरण में हुए इस बदलाव की पुष्टि करते हुए बीडीए उपाध्यक्ष सौम्या पांडेय ने बताया कि सचिव वंदिता श्रीवास्तव को पद से रिलीव कर दिया गया है। नए सचिव हिमांशु कुमार गुप्ता जल्द ही प्राधिकरण पहुंचकर अपना कार्यभार संभालेंगे। सहकारी चीनी मिल संघ के प्रधान प्रबंधक हिमांशु कुमार गुप्ता को बरेली विकास प्राधिकरण का नया सचिव नियुक्त किया गया है। दूसरी ओर, वंदिता श्रीवास्तव को स्थानांतरित करते हुए, उच्च शिक्षा निदेशालय, प्रयागराज में उपनिदेशक (प्रशासन) के पद पर तैनात किया गया है। इस अचानक हुए फेरबदल को शहर के विकास कार्यों और प्रशासनिक कार्यशैली को और अधिक गति देने के रूप में देखा जा रहा है। नए सचिव के सामने शहर में अवैध निर्माणों पर रोक लगाने और जारी विकास परियोजनाओं को समय पर पूरा कराने की मुख्य चुनौती होगी।

अवैध संबंधों में पति की हत्या: बेवफा पत्नी ने आशिक संग मिलकर घोंटा गला, दोनों गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली,भुता । फैजनगर गांव में अवैध संबंधों के चलते पत्नी नरगिस (36) ने अपने प्रेमी रियाज उर्फ राजा (25) के साथ मिलकर पति पप्पू की रस्सी से गला दबाकर बेरहमी से हत्या कर दी। दोनों ने शव को बोरे में भरकर मिर्जापुर भट्टे के पास नहर की झाड़ियों में छिपा दिया था। ?पुलिस के अनुसार, मृतक के बेटे के साथ काम करने वाले बाइक मैकेनिक रियाज का नरगिस से 5 साल से प्रेम-प्रसंग था। 10 सितंबर को पप्पू ने दोनों को आपत्तिजनक हालत में देख लिया था, जिसके बाद 11/12 सितंबर की रात इस वारदात को अंजाम दिया गया। ?हत्या के बाद नरगिस ने खुद थाने पहुंचकर पति की गुमशुदगी दर्ज कराकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की थी। पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो मामले का खुलासा हो गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर शव, आलाकत्ल रस्सी और वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद कर ली है। मृतक के भाई की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर दोनों को जेल भेज दिया गया है।

रोजगार मेले में 832 युवाओं का किया गया चयन

क्यूँ न लिखूँ सच / आज जनपद बदायूं में सेवा संकल्प अभियान के तहत तहसील दातागंज स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय सत्यवती मेमोरियल इण्टर कालेज ढिलवारी परिसर में आयोजित रोजगार मेला जिला सेवायोजन कार्यालय, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान एवं कौशल विकास मिशन बदायूँ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित हुआ। रोजगार मेले में 30 कम्पनियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें 2310 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराकर साक्षात्कार में प्रतिभाग किया। जिसमें 832 युवाओं का चयन/शार्टलिस्ट किया गया। दातागंज विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजीव कुमार सिंह, रोजगार मेले के मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने द्वीप प्रज्जवलित कर मेले का शुभारम्भ किया। विधायक ने अपने सम्बोधन में कहा कि सरकारी योजनाओं से युवाओं को न केवल रोजगार के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं बल्कि अन्य विभिन्न योजनाओं से प्रत्येक वर्ग के पात्र व्यक्तियों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि रोजगार मेले में विभिन्न निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों एवं संस्थानों द्वारा प्रतिभाग कर युवाओं का साक्षात्कार एवं चयन किया गया है। रोजगार मेले में जिलाधिकारी अवनीश राय, मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला सहित जनपद स्तरीय अन्य अधिकारीगण एवं दातागंज के ब्लाक प्रमुख अत्यंन्द्र विक्रम सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे। अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने रोजगार मेले में प्रतिभाग करने वाले युवाओं से संवाद किया तथा चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि युवाओं को उनकी योग्यता एवं कौशल के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराने के लिए शासन की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। रोजगार मेले युवाओं के लिए महत्वपूर्ण मंच हैं, जहां उन्हें एक ही स्थान पर विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार मेलों से जोड़ा जाए तथा पात्र युवाओं को शासन की रोजगारपरक योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाए।रोजगार मेले में विभिन्न कंपनियों द्वारा अलग-अलग पदों के लिए अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया गया। चयन प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत योग्य अभ्यर्थियों का रोजगार के लिए चयन किया गया। चयनित युवाओं में रोजगार मिलने पर उत्साह एवं प्रसन्नता दिखाई दी। लाभार्थियों ने रोजगार मेले के आयोजन के लिए जिला प्रशासन एवं सेवायोजन विभाग का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी, उप जिलाधिकारी दातागंज, जिला सेवायोजन अधिकारी, प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

पिछोर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: एक साल से फरार स्थायी वारंटी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ पिछोर। फरार आरोपियों एवं वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पिछोर पुलिस ने करीब एक साल से फरार चल रहे स्थायी वारंटी दीपक सेन (22) को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपी को पिछोर बस स्टैंड से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। पुलिस के अनुसार विशेष न्यायाधीश POCSO एक्ट पिछोर के न्यायालय से प्रकरण क्रमांक स्ष्ट 01/25 में आरोपी के विरुद्ध 8 अप्रैल 2025 को स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। आरोपी थाना पिछोर के अपराध क्रमांक 366/24 में BNS की विभिन्न धाराओं एवं POCSO एक्ट की धारा 5/6 के तहत दर्ज मामले में फरार चल रहा था। 19 सितंबर 2026 को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए ग्राम कछौआ निवासी दीपक सेन पुत्र मिजाजीलाल सेन को बस स्टैंड पिछोर से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया गया। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.डी. प्रजापति एवं एसडीओपी पिछोर संजय मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक नीतू सिंह एवं पुलिस टीम द्वारा की गई। कार्रवाई में उनि रामकिशोर जोशी, सउनि अरविंद सगर, आरक्षक विकास शिवहरे, योगेन्द्र मल्होत्रा एवं बचान सिंह तोमर की भूमिका रही।

राधा अष्टमी पर सजे राधा-कृष्ण, मंदिर में गूंजे भक्ति के स्वर

काशीपुर क्यूँ न लिखूँ सच । उत्तराखंड के काशीपुर स्थित मोहल्ला सिंघान के दुर्गा मंदिर में राधा अष्टमी का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर में बाल गोपाल और राधा रानी का विशेष श्रृंगार किया गया। श्रद्धालुओं ने राधा-कृष्ण की आरती कर पूजा-अर्चना की। सुबह आरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। इस अवसर पर सरित नागर, प्रिया नागर, मुकुल, सुनील, वीरेंद्र, सुशील, अमोल, आरना, शिवांश आदि मौजूद रहे।

ओटीएस योजना के तहत दूसरे दिन भी लगा छूट कैंप

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । नगर पालिका परिषद बिलारी में एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) के तहत शनिवार को दूसरे दिन भी विशेष छूट कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में नगरवासियों को गृहकर एवं जलकर के बकाये पर 12 प्रतिशत की छूट का लाभ लेने के लिए जागरूक किया गया। राजस्व निरीक्षक पवन कुमार ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार नगर पालिका परिषद बिलारी में एकमुश्त समाधान योजना के अंतर्गत विशेष कैंप लगाए जा रहे हैं। योजना 15 अगस्त से 15 दिसंबर 2026 तक लागू रहेगी। उन्होंने बताया कि एक अप्रैल 2026 तक बकाया गृहकर एवं जलकर की धनराशि जमा करने वाले पात्र नगरवासियों को 12 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है। उन्होंने नगरवासियों से अपील की कि वे निर्धारित अवधि में अपना बकाया कर जमा कर ओटीएस योजना का लाभ उठाएं। अब तक ओटीएस योजना के माध्यम से नगर पालिका परिषद के कोष में 49,487 रुपये जमा कराए जा चुके हैं। अधिशासी अधिकारी रजनी सिंह ने नगरवासियों से समय से समस्त करों का भुगतान कर शासन की योजना का लाभ उठाने की अपील की। कैंप में राजस्व निरीक्षक पवन कुमार, अवर अभियंता जलकल गौरव राय, कर एवं राजस्व मुहर्रिर हुकम सिंह, मोहम्मद शमी, विनय कुमार, मोहम्मद अलीम सहित पालिका स्टाफ मौजूद रहा।

श्रीमद्भागवत कथा की कलश यात्रा में विद्या मंदिर के विद्यार्थियों ने की सहभागिता

बिलारीक्यूँ न लिखूँ सच । नगर में शनिवार से प्रारंभ हुई श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ अवसर पर निकाली गई भव्य कलश यात्रा में डॉ. देवेंद्रपाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के भैया-बहिनों ने उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ सहभागिता की। कलश यात्रा में विद्यार्थियों की उपस्थिति से वातावरण भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर विद्यालय के घोष दल ने कथा व्यास अतुल कृष्ण भारद्वाज का श्रद्धापूर्वक स्वागत किया। घोष दल की मधुर एवं अनुशासित ध्वनि से कलश यात्रा का वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। विद्यार्थियों ने अनुशासन के साथ यात्रा में सहभागिता करते हुए भारतीय संस्कृति और परंपराओं के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।कलश यात्रा के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य शीतल प्रताप सिंह, आचार्य लालचंद, एनसीसी एएनओ राहुल कुमार एवं अमित ने कथा व्यास अतुल कृष्ण भारद्वाज का स्वागत कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। विद्यालय परिवार की ओर से कहा गया कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में विद्यार्थियों की सहभागिता से उनमें भारतीय संस्कारों, संस्कृति और परंपराओं के प्रति श्रद्धा एवं जागरूकता विकसित होती है। कलश यात्रा विद्यालय परिवार के लिए आस्था और संस्कारों से जुड़ने का प्रेरणादायी अवसर रही।

260 विद्यार्थियों के बीच तीन शिक्षक, अधिकारियों ने विद्यालय की व्यवस्थाओं की सराहना की

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच उच्च प्राथमिक विद्यालय राजा का सहसपुर में जिला पंचायत राज अधिकारी आलोक शर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी विकास कुमार तथा एडीओ पंचायत शकील अहमद ने विद्यालय का निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया।अधिकारियों ने विद्यालय के सभी कक्षा-कक्षों, नक्षत्रशाला, स्मार्ट कक्षा, कार्यालय, रसोईघर सहित अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यालय की सुविधाओं, शैक्षिक वातावरण और व्यवस्थाओं की सराहना की गई। अधिकारियों ने विद्यालय में 260 विद्यार्थियों के नामांकन को विशेष रूप से उल्लेखनीय बताया। विद्यालय में प्रधानाध्यापक सहित मात्र तीन शिक्षक कार्यरत होने के बावजूद विद्यार्थियों की शिक्षा व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित होने पर अधिकारियों ने प्रधानाध्यापक फरहत अली और समस्त स्टाफ के प्रयासों की प्रशंसा की। कक्षा छह से आठ तक संचालित विद्यालय में उल्लेखनीय नामांकन और विद्यालय के विकास में शिक्षिका पारुल वाजपेयी सहित पूरे स्टाफ के योगदान की भी सराहना की गई। अधिकारियों ने विद्यालय की आवश्यकता को देखते हुए भविष्य में शिक्षकों की उपलब्धता कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने विद्यालय की शैक्षिक एवं भौतिक व्यवस्थाओं को अन्य विद्यालयों के लिए प्रेरणादायक बताया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। अधिकारियों ने ग्राम प्रधान के साथ विद्यालय के आसपास के स्थानों का भी निरीक्षण किया।

डूसू चुनाव में अभाविप की जीत पर कार्यकर्ताओं ने जताई खुशी

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के घोषित सभी पदाधिकारियों की जीत पर नगर में कार्यकर्ताओं ने खुशी व्यक्त की। इस अवसर पर अभाविप के पूर्व जिला प्रमुख धर्मेंद्र गांधी के आवास पर पूर्व कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी।पूर्व जिला प्रमुख धर्मेंद्र गांधी ने कहा कि यह जीत भारत माता की सेवा में जुटे हजारों कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता निस्वार्थ भाव से राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए कार्य कर रहे हैं और उनके प्रयासों के सुखद परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने इसे ऐतिहासिक जीत बताते हुए कहा कि चुनाव में मिली सफलता से कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है। इस अवसर पर महेंद्र सिंह चौहान, नीरज सक्सेना, रजनीश गर्ग, सुमित गुप्ता, विनय कुमार सिंह, अनूप सिंह, सोनू शर्मा, आकाश चौधरी, गजेंद्र सिंह, चंदन सिंह, अवनीश यादव, नरेंद्र सिंह, सुनील कुमार आदि पूर्व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

तहसील जमुनहा प्रांगण में आपदा प्रबंधन का मॉकड्रिल: भूकंप, रासायनिक दुर्घटना व अग्नि सुरक्षा को लेकर लोगों को किया गया जागरूक।

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती उत्तर प्रदेश

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण श्रावस्ती के तत्वाधान में तहसील परिसर जमुनहा में राज्यस्तरीय मॉकड्रिल व जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भूकंप, औद्योगिक (रासायनिक) दुर्घटनाओं और अग्नि हादसों से बचाव व सुरक्षा उपायों के प्रति अधिकारियों एवं आम जनमानस को जागरूक करना था। ?कार्यक्रम के दौरान आपदा विशेषज्ञों द्वारा आपातकालीन स्थितियों में बचाव के विभिन्न तरीकों, त्वरित राहत कार्यों तथा अग्निशामक यंत्रों के सही उपयोग का व्यावहारिक प्रदर्शन (मॉकड्रिल) किया गया। ?इस अवसर पर उप-जिलाधिकारी जमुनहा डॉ. आर.पी. सिंह, तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा स्वास्थ्य विभाग मल्हीपुर के कर्मचारी और कई अधिवक्ता गण उपस्थित रहे। इसके साथ ही भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता व भावी विधानसभा प्रत्याशी (289) रणबीर सिंह, पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रहलाद सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन विभाग के अरुण कुमार मिश्र व प्रशासनिक अधिकारियों के मार्गदर्शन में सुरक्षा के प्रति त्वरित प्रतिक्रिया देने का संदेश दिया गया।

11.15 ग्राम स्मैक के साथ दो आरोपी गिरफ्तार, 3 लाख का माल जब्त

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ करैरा। अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत करैरा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 11.15 ग्राम स्मैक के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बरामद स्मैक की कीमत ?2.20 लाख बताई है। पुलिस के अनुसार 19 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति स्मैक लेकर समोहा की ओर से करैरा आ रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मछावली के आदिवासी पुरा के पास घेराबंदी की। इसी दौरान बिना नंबर की मोटरसाइकिल से आए दो संदिग्ध पुलिस को देखकर भागने लगे, जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ लिया गया।पूछताछ में आरोपियों की पहचान कृष्णकांत कोली (26), निवासी शेरगढ़, थाना नरवर और नरेन्द्र कुशवाहा (34), निवासी पोहा, थाना नरवर के रूप में हुई। तलाशी में उनके कब्जे से 11.15 ग्राम स्मैक पाउडर बरामद हुआ। पुलिस ने स्मैक के साथ बजाज ष्ट्ङ्ख-100 मोटरसाइकिल भी जब्त की, जिसकी कीमत करीब ?80 हजार बताई गई है। कुल जब्त माल की कीमत ?3 लाख बताई गई है। दोनों आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 651/2026, धारा 8/21 ह्रष्ठक्कस् एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस आरोपियों से स्मैक के स्रोत को लेकर पूछताछ कर रही है। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.डी. प्रजापति एवं एसडीओपी आनंद राय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद छावई और पुलिस टीम द्वारा की गई।

असालतपुर की शीतल का ग्रामीण डाक सेवक पद पर चयन

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । देहात क्षेत्र के ग्राम असालतपुर निवासी जवाहरलाल की पुत्री शीतल का चयन ग्रामीण डाक सेवक (जीडीएस) पद पर हुआ है। शीतल की नियुक्ति अलीगढ़ जनपद के जसमोई डाकघर में हुई है।शीतल के चयन की जानकारी मिलते ही परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। गांव के लोगों और परिजनों ने शीतल को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ग्रामीणों ने कहा कि शीतल की सफलता से गांव का नाम भी रोशन हुआ है। शीतल ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और परिवार के सहयोग को देते हुए कहा कि परिवार के प्रोत्साहन से उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। परिवारजनों ने शीतल की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सर्वोच्च प्राथमिकता पर करें शिकायतों का निस्तारण

क्यूँ न लिखूँ सच / जिलाधिकारी अवनीश राय एंव एसएसपी अंकिता शर्मा ने अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ आमजन की शिकायतों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए शनिवार को तहसील दातागंज में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक फरियादी को न्याय दिलाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने ने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस शासन की महत्वपूर्ण व्यवस्था है, जिसके माध्यम से आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान कराया जाता है। डी0एम0 ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि प्राप्त शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समयसीमा में स्थलीय सत्यापन कर गुणवत्तापूर्ण किया जाए और अधिकारी अनुपालन आख्या उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। समाधान दिवस में राजस्व विभाग की 50, पूर्ति विभाग की 03, विद्युत की 07, पुलिस की 02 एवं विकास विभाग की 03 सहित कुल 65 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 04 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया गया तथा शेष प्रकरणों के लिए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में

प्राप्त शिकायती पत्रों में भूमि की पैमाइश कराने, चकरोड पर से अवैध कब्जा हटवाने आदि की शिकायते प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने भूमि विवाद से सम्बंधित मामलों में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच एवं आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सीडीओ गामिनी सिंगला व अन्य जिला स्तरीय विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

'मेरे सपनों का भारत' में दिखी बच्चों की कल्पना

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। सेवा संकल्प अभियान के तहत ब्लॉक क्षेत्र के परिषदीय और निजी विद्यालयों में 17 से 19 सितंबर तक चित्रकला कार्यक्रम आयोजित किए गए। 'मेरे सपनों का भारत' थीम पर कक्षा पांच से आठ तक के छात्र-छात्राओं ने भारत के विकास, कृषि, अर्थव्यवस्था और देश के भविष्य से जुड़े विषयों पर अपनी कल्पनाओं को रंगों के जरिए कागज पर उकेरा। विद्यालयों में विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए चित्रों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। अभिभावकों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर बच्चों की प्रतिभा की सराहना की। प्राथमिक विद्यालय बफरी अब्दुल नवीपुर में ग्राम प्रधान सोनू राठौर ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया।उच्च प्राथमिक विद्यालय औंध और प्राथमिक विद्यालय थिरिया खेथल में भी अभिभावकों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। यहां बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों को देखने के लिए अभिभावक विद्यालय पहुंचे और विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाया। प्रतियोगिता में विद्यालय स्तर पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी भानु शंकर गंगवार ने बताया कि अभियान के अगले चरण में ब्लॉक और जिला स्तर पर भी चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों की रचनात्मक क्षमता को मंच मिलने के साथ ही उनमें देश के विकास के प्रति सोच विकसित होती है।

संक्षिप्त समाचार

थाना सिविल लाइन पुलिस नें एक अभियुक्त को चोरी की घटना में भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / एसएसपी के निर्देशन में अपराध नियन्त्रण व अपराधियों की गिरफतारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में

तथा प्रभारी निरीक्षक थाना सिविल लाइन की अगुवाई में थाना सिविल लाइन पुलिस द्वारा आज 01 शातिर अभियुक्त तौसीफ उर्फ आरिफ पुत्र जमील नि0 कस्बा अलापुर थाना अलापुर जिला बदायूँ को मय चित्रांशनगर मोहल्ले से चोरी किये गये टिल्लू पम्प व स्टार्टर और केबल व फर्राटा पंखा टूटा हुआ व सरिया के टुकडे सहित गिरफ्तार किया गया । इस घटना के सम्बन्ध में वादी की लिखित तहरीर के आधार मु0अ0सं0 330/26 धारा 305, 317(2) बीएनएस पंजीकृत कर अभियुक्त तौसीफ उपरोक्त को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया ।

दहेज को लेकर विवाहिता से मारपीट, गला दबाकर हत्या के प्रयास का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। अगरास गांव की विवाहिता ने ससुरालियों पर दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने, मारपीट करने और गला दबाकर हत्या का प्रयास करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने एसएसपी को शिकायती पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।पीड़िता शिवानी मिश्रा के मुताबिक उसकी शादी तीन जुलाई 2022 को सीबीगंज थाना क्षेत्र के खड़ौआ निवासी आशीष मिश्रा के साथ हुई थी। शादी में मायके वालों ने करीब पांच लाख रुपये खर्च कर दान-दहेज दिया था। आरोप है कि इसके बावजूद पति आशीष मिश्रा, ससुर अरविंद, सास बल्लू देवी, देवर आनंद और ननद आशी पांच बीघा जमीन व बुलेट बाइक की मांग को लेकर उसे आए दिन ताने मारते और प्रताड़ित करते थे।शिवानी का आरोप है कि 18 मई 2025 को ससुरालियों ने उसके साथ मारपीट कर घर से निकाल दिया। मामले की शिकायत स्थानीय थाने में की गई थी। पंचायत के बाद समझौता होने पर वह दोबारा ससुराल चली गई। आरोप है कि 14 सितंबर को ससुरालियों ने उसे कमरे में बंद कर दिया और गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया।पीड़िता का कहना है कि मामले में सीबीगंज थाने में तहरीर देने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने एसएसपी से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बेकाबू वाहन ने साइकिल सवार युवक को रौंदा, मौके पर ही मौत, चालक गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती थाना हरदत्त नगर गिरंट क्षेत्र के बजारनपुरवा पावर हाउस के पास भीषण सड़क हादसे में 22 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने भाग रहे वाहन चालक को मौके पर ही खदेड़कर पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कलन्दरी पुरवा (दाखिल बेहोरवा) निवासी राजू के 22 वर्षीय भाई रिज़वान उर्फ छोटू शाम करीब 5ऱ00 बजे बहराइच की तरफ से बिसातखाना का व्यापार करके साइकिल से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान बदला चौराहा की तरफ से आ रहे वाहन (संख्या क्ꣳ2 स्न्ꣳ 5291) के चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए बन्जारनपुरवा पावर हाउस के पास रिज़वान की साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी।मौके पर हुई मौत, भीड़ ने आरोपी चालक को दबोचा- हादसा इतना भीषण था कि रिज़वान की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी चालक वाहन सहित मौके से भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन आसपास मौजूद ग्रामीणों और राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए उसे चारों तरफ से घेरकर पकड़ लिया।बहराइच का रहने वाला है आरोपी चालक- पूछताछ में पकड़े गए चालक ने अपना नाम अरशद पुत्र मुबारक अली, निवासी पट्टारीबाग इमामगंज (थाना दरगाह शरीफ, जनपद बहराइच) बताया है।

?पीड़ित के भाई राजू ने थाना हरदत्त नगर गिरंट में मामले की लिखित तहरीर देकर आरोपी चालक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच शुरू कर दी है।

मजदूर पिता के बेटे अरविंद का लोको पायलट पद पर चयन

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। सीमित संसाधनों के बीच पढ़ाई कर नौगवां निवासी अरविंद मौर्य ने लोको पायलट पद पर चयन हासिल कर परिवार और विद्यालय का नाम रोशन किया। इज्जतनगर मंडल में चयन होने पर यूनिक मॉडल इंटर कॉलेज में प्रबंधक रमन कुमार जायसवाल एवं प्रधानाचार्य जसवीर सिंह ने अरविंद का फूल माला पहना करसम्मान किया।मिठाई खिलाकर बधाई दी।अरविंद ने कक्षा चार से 12वीं तक की पढ़ाई इसी विद्यालय से की। वर्ष 2017 में इंटर की परीक्षा में उन्होंने 79 प्रतिशत अंक हासिल किए। विद्यालय परिवार के मुताबिक अरविंद अनुशासित और मेधावी छात्र रहे हैं। सम्मान समारोह में प्रधानाचार्य जसवीर सिंह, अरविंद के पिता ऋषिपाल मौर्य और मां रूपा मौर्य मौजूद रहीं। अरविंद ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और गुरुजनों को दिया। उनके पिता ऋषिपाल मौर्य सीमित आमदनी में परिवार का पालन-पोषण करते हुए बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान देते रहे। करीब 15 वर्ष पहले वह साइकिल से बरेली शास्त्री मार्केट स्थित मेडिकल एजेंसी में काम करने जाते थे। वर्तमान में परसाखेड़ा स्थित प्लाईवुड फैक्टरी में मजदूरी करते हैं और आज भी साइकिल से ही काम पर जाते हैं।

अरविंद के पिता इंटर की पढ़ाई पूरी नहीं कर सके, जबकि उनकी मां रूपा मौर्य इंटर पास हैं। बेटे की सफलता पर पिता ने विद्यालय प्रबंधक और प्रधानाचार्य का आभार जताया। विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी बताया।

परिस्थिति नहीं, मन:स्थिति बदलो।सुख-दु:ख वस्तु में नहीं,हमारे मन के भीतर की कल्पना में है: पं संयम शास्त्री

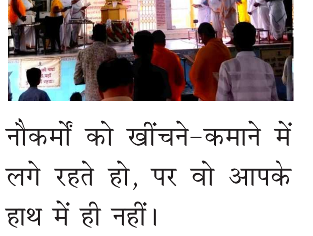

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/विदिशा। श्री शीतलनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर में चल रहे पर्युषण पर्व के चौथे दिन भगवान पुष्पदंत का निर्वाण कल्याणक भक्तिभाव से मनाया गया व सभी ने निर्वाण लाडू चढ़ाया।प्रवक्ता डॉ मक्खन लाल जैन ने बताया कि इसके पश्चात पं संयम शास्त्री मुम्बई द्वारा समयसार नाटक ग्रंथ पर स्वाध्याय कराया ,जिसमें उन्होंने बताया कि

गुरुदेव कहते हैं हमारा सारा जीवन बेमन से दु:ख में बीत रहा है, जबकि वास्तव में दु:ख का कोई आधार ही नहीं है। हमें एक रंग पसंद है तो दूसरे को वही नापसंद। सुख-दु:ख वस्तु में नहीं,हमारे मन के भीतर की कल्पना में है। पंडित जी द्वारा बताया कि 3 तरह के कर्म का विज्ञान समझो तो दु:ख खत्म-द्रव्यकर्म - आत्मा पर चिपके हुए सूक्ष्म पुद्गल परमाणु। ये दिखते नहीं। यही 8 कर्म और 63 प्रकृतियों को बनाकर तय करता है

कि आपको कौन सी गति, शरीर, आयु मिलेगी।

नौकर्म -द्रव्यकर्म के उदय से मिलने वाले सारे संयोग - ये शरीर, घर, गाड़ी, मोबाइल, पैसा, परिवार, मान-अपमान। हमारी सबसे बड़ी गलती ये है कि हम लिमिटेड नौकर्मों को ही चाहते हैं - यही घर, यही गाड़ी, इतना ही पैसा। पर नौकर्मों की प्राप्ति का डिपार्टमेंट द्रव्यकर्म के पास है। आप पूरी जिंदगी नौकर्मों को खींचने-कमाने में लगे रहते हो, पर वो आपके हाथ में ही नहीं।

भावकर्म नौकर्म को पाकर या न पाकर हमारे अंदर उठने वाले भाव - राग, द्वेष, क्रोध, खुशी, गम। इस पर ही 100त्न हमारा कंट्रोल है। आप कर्म के उदय को नहीं बदल सकते, न उदय में मिली वस्तु को बदल सकते हो, पर उसको जानने के बाद उससे प्रभावित होना है या नहीं होना, गुस्सा करना है या नहीं करना, ये आपके हाथ में है।

अंत में पंडित बनारसीदास जी का पद -भेदी मिथ्यात सुबेदी महारस, भेद विज्ञान कला जिन पाई। जिसने भेदविज्ञान की कला पा ली, उसकी बुद्धि सोने जैसी हो जाती है सोने में जंग नहीं लगती, उसकी कीमत कभी घटती नहीं। वो पर में अपनापन छोड़कर आत्मरस में मगन हो जाता है, उसे शुभ-अशुभ का विकल्प नहीं रहता।

परिस्थिति नहीं, मन:स्थिति बदलो।बाहर का वास्तु, एस्ट्रोलॉजी आपको दुखी नहीं करता, आपका भाव आपको दुखी करता है। सायंकालीन प्रवचन ने बताया कि उत्तम शौच धर्म दस लक्षण धर्म का दूसरा लक्षण है, जो हमें सच्ची पवित्रता का मार्ग बताता है। शौच का अर्थ केवल बाहरी शरीर, वस्त्र या स्थान की सफाई नहीं, बल्कि मन और आत्मा की शुद्धता है। जैन शास्त्रों के अनुसार आत्मा की सबसे बड़ी अशुद्धता लोभ है, और लोभ के कारण ही जीव झूठ, चोरी, हिंसा जैसे पाप करता है। जब तक मन में अधिक पाने की तृष्णा, दूसरे के धन-वैभव को देखकर जलन और असंतोष है, तब तक आत्मा कभी पवित्र नहीं हो सकती। उत्तम शौच धर्म हमें सिखाता है कि संतोष रूपी जल से अपने मन को धोओ, इच्छाओं को सीमित करो और जो है उसी में खुश रहना सीखो। जो व्यक्ति लोभ को त्याग कर संतोष धारण करता है, वही वास्तव में शुद्ध और पवित्र है, और उसी के जीवन में सच्चा सुख और शांति आती है।

प्रवक्ता डॉ मक्खन लाल जैन ने बताया कि रात्रि संगीतमय भक्ति के साथ म्यूजिकल अंताक्षरी का आयोजन किया गया।जिसमें सभी प्रतियोगी द्वारा सुंदर भजन प्रस्तुत किये गए।आज रात्रि सूंदर नाटक की प्रस्तुति बच्चो द्वारा दी जाएगी।ट्रस्ट अध्यक्ष मलुकचंद जैन द्वारा सभी से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की।

62वीं वाहिनी ने कौशल विकास प्रशिक्षणों का किया शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल /श्रावस्ती - सीमावर्ती क्षेत्र के युवाओं एवं ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने तथा उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा द्वारा नागरिक कल्याण कार्यक्रम 2026-27 के अंतर्गत आज रियर हेडक्वार्टर, भैंसाईनाका में दो महत्वपूर्ण कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों का शुभारंभ समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती इन्द्राणी वर्मा, विधान सभा सदस्य, भिनगा रहीं। उनके कर-कमलों द्वारा समवाय गुज्जरगौरी के कार्यक्षेत्र के 15 सीमावर्ती पुरुष/महिलाओं हेतु 20 दिवसीय कुटीर उद्योग (हैंडीक्राफ्ट आइटम्स) प्रशिक्षण तथा समवाय भैंसाईनाका के कार्यक्षेत्र के 15 युवाओं हेतु 20 दिवसीय सोलर टेक्नीशियन प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती इन्द्राणी वर्मा ने 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों के हित में किए जा रहे नागरिक कल्याण एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कौशल विकास प्रशिक्षण ग्रामीण युवाओं को नई तकनीकी एवं व्यावसायिक दक्षताएं प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनने तथा रोजगार के नए अवसर प्राप्त करने में सहायक होंगे। उन्होंने प्रशिक्षण में शामिल सभी प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएं देते हुए प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का आयोजन कमांडेंट श्री अमरेन्द्र कुमार वरुण, 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के कुशल दिशा-निर्देशन में किया गया। वाहिनी द्वारा नागरिक कल्याण कार्यक्रम के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों एवं युवाओं को उनकी स्थानीय आवश्यकताओं एवं रोजगार की संभावनाओं के अनुरूप विभिन्न प्रकार के कौशल विकास प्रशिक्षण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कुटीर उद्योग (हैंडीक्राफ्ट आइटम्स) प्रशिक्षण के माध्यम से प्रशिक्षुओं को विभिन्न हस्तशिल्प उत्पाद तैयार करने, उनकी गुणवत्ता एवं उपयोगिता बढ़ाने तथा उन्हें बाजार से जोड़कर आय के साधन विकसित करने की जानकारी प्रदान की जाएगी।

गणेशजी की जयकारो से गूंज रहा श्रावस्ती

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती विकास खण्ड जमुनहा अंतर्गत ग्राम पंचायत हरदत्त नगर गिरन्ट में इन दिनों सुबह शाम भगवान श्री गणेशजी की पूजा अर्चना चल रही है। चारों तरफ जय गणेश की आरती बजते हुए सुनाई दे रही है। रहे हैं। प्रसाद चढ़ाने के लिए कोई लड्डू नगर गिरन्ट के नव्वापुरवा गांव के पूरब की पूजा अर्चना में सैकड़ों भक्तगण पहुंच अर्चना की जा रही है। जबकि केवटनपुरवा है। इसी तरह जयपत्तपुरवा गांव समीप भक्तगण श्रद्धा भाव से लगातार जुटे हुए भांति इस बार टोडीसमयमाता मंदिर पर

जय गणेश जय गणेश देवा , माता जाकी पार्वती पिता महादेवा। गांवों से माताएं बहनें जवान बुर्जुग व युवा आरती में सामिल हो लेकर पहुंच रहा है तो कोई केला लेकर पहुंच रहा है। हरदत्त जंगल समीप टोड़ीसमय माता मंदिर पर भगवान श्री गणपति रहे हैं। जबकि बरगदही गांव में गबडूबाबा स्थान पर पूजा गांवटमाता मंदिर पर भगवान श्री गणेशजी की पूजा अर्चना जारी समयमाता मंदिर पर भगवान श्री गणेशजी की पूजा अर्चना में हैं। राजेश कुमार आर्या उर्फ तिवारी ने बताया कि हर साल की दिनांक 22/9/2026 मंगलवार की शाम को उमेश उजाला वजीरगंज बहराइच व पलिया कला एवं लखीमपुर की पार्टी का आयोजन होने जा रहा है। जिसमें भगवान श्री गणेशजी , शिवतांडव , राधा श्रीकृष्ण भगवान की अद्भुत झांकियों को मशहूर कलाकारों द्वारा झांकी दिखाई जायेगी। और थ के दिन को विशाल भंडारा किया जाएगा ।

Are you undermining your own self-worth? To earn respect, give up these 5 habits immediately.

Whether people respect you or not is in your hands. Therefore, to gain respect, it's essential to improve certain habits. Not sticking to your word diminishes your value in others. Being constantly available diminishes your self-worth. Refrain from gossiping or speaking ill of others. Respect is not demanded, but earned. However, we often complain that the other person isn't giving us the importance we deserve. This makes us consider the other person arrogant or rude, but often the fault lies within ourselves. Some of our habits also cause others to disrespect us, because our behavior teaches others how to treat us. If you also feel that people ignore what you say or don't take you seriously, you may be making one of these five mistakes. Not sticking to your word - We respect only those we can trust. If you make big promises to people but don't fulfill them when the time comes, people gradually lose trust in you. When your words lose their value, a person's respect automatically diminishes. So think before saying yes, and if you have already said yes, then follow through. Being too available - It may sound strange, but people often undervalue a person who is always available to everyone. This is called the scarcity principle. When you abandon your priorities and immediately rush to do small tasks for others, people consider it your duty, not your kindness. Setting boundaries and sometimes saying no is crucial to gaining respect. Speaking ill of others or gossiping - If you speak ill of a third person in front of others, the listener immediately thinks that tomorrow they will speak ill of me to someone else. People keep a gossiper around for entertainment, but they never respect them. Making fun of themselves - There's a fine line between humility and self-respect. Some people, in order to appear cool, constantly make fun of themselves or apologize excessively for everything. When you don't respect yourself or underestimate yourself, the world views you through the same lens. Giving unsolicited advice and self-praise - Imposing your opinion on everything or talking about yourself in every conversation irritates people. When you don't give others a chance to speak and remain engrossed in your own thoughts, people tend to shy away from you. Respect is earned by those who listen carefully to others and offer suggestions only when necessary.

Add a sweet and sour flavor to your lunch, try these 6 jaggery-based vegetables; everyone will ask for the recipe.

These jaggery-based vegetables will make your meal even more delicious. Jaggery gives vegetables a sweet and sour taste. It helps improve digestion, provides energy, and purifies the blood. Six vegetables like pumpkin, bitter gourd, and ridge gourd are made with jaggery. Jaggery is a treasure trove of Indian cuisine, providing both taste and health. Especially when added to vegetables, the sweet and sour flavor is a delight for everyone. Jaggery-based vegetables are a favorite from North India to Gujarat and Maharashtra. They are not only delicious but also help maintain good digestion, provide energy, and purify the blood. Let's learn about some jaggery-based vegetables that will be a hit with everyone in your home. These vegetables taste delicious with jaggery: Pumpkin curry - In many parts of North India, pumpkin curry is prepared with jaggery. Adding asafoetida, cumin, ginger-garlic, and a little mango powder, along with jaggery, gives it a sweet and sour flavor. It's a great choice with puris or parathas. Bitter gourd with jaggery sabji - The bitterness of bitter gourd isn't everyone's cup of tea, but cooking with jaggery enhances its flavor. Jaggery balances the bitterness of bitter gourd, making this dish not only delicious but also helpful in controlling diabetes. Tinda ki Sabji - People often consider tinda sabji bland, but adding jaggery and tamarind to it doubles its flavor. This spicy, sweet and sour flavor will be enjoyed by everyone in the family. Cluster Beans Sabji - In Gujarat and Maharashtra, cluster beans are prepared with jaggery. Adding peanut powder and spices along with jaggery makes this dish extremely flavorful and goes perfectly with both rice and roti. Bottle gourd sabji - People often consider bottle gourd sabji boring, but adding jaggery and tomatoes to it transforms its flavor. A slight tang and sweetness make it a great dinner option. Baingan ki Sabzi - Baingan ki Sabzi is typically cooked with jaggery in Maharashtra. Mixing jaggery with spices, coconut, and peanuts creates a thick and delicious dish. It's typically eaten with jowar bhakri or millet roti. These jaggery-based vegetables not only enhance the flavor of food but are also beneficial for health. They offer a sweet and sour combination that will be enjoyed by both children and adults. So, the next time you plan to prepare a special dinner or lunch at home, be sure to try one of these vegetables.

Beta-blockers are no longer needed for life after a heart attack, new research reveals significant findings.

If it's believed that heart attack patients are forced to rely on medication for life, a new study brings some good news. Beta-blockers are no longer needed for life after a heart attack. Low-risk patients can discontinue the medication after one year. A South Korean clinical trial involving 2,540 patients has revealed that patients who have recovered from a heart attack and are stable and low-risk may no longer need to take beta-blockers for life. Such patients can discontinue these medications after one year. How was this study conducted? The results of this important research were presented at a meeting of scientists from the American College of Cardiology in New Orleans. Furthermore, this study has also been published in the prestigious medical journal, The New England Journal of Medicine. Researchers included a total of 2,540 patients in this trial who had previously suffered a heart attack and were receiving beta-blockers like metoprolol and atenolol. The researchers found that patients who stopped taking beta-blockers after 12 months fared similarly to those who continued taking them. The patients' health was monitored for an average of 3.5 years. The results showed that only 7.2 percent of patients who stopped taking the medication experienced serious or adverse heart-related events (such as death, a second heart attack, or hospitalization for heart failure). In contrast, 9 percent of patients who continued taking the medication experienced such serious problems. What do beta-blockers do? Beta-blockers are medications that primarily work to lower a patient's heart rate and blood pressure. These medications have long been considered a mainstay of treatment for protecting the heart after a heart attack and preventing future heart problems. This new research has made it clear that low-risk patients do not need to rely on these medications for life, which is a great relief for those recovering from a heart attack.

Made fun of on set, ran to the vanity van crying... Shivangi Joshi's pain spilled, explaining why she had to endure the humiliation.

Actress Shivangi Joshi has shared a disturbing experience from her early career. She revealed that she was once humiliated. In her early career, Shivangi Joshi was made fun of on set. Shivangi Joshi treats newcomers well. Shivangi Joshi vowed not to do reality shows. Working in the film industry is challenging for everyone, male or female. Therefore, it is important for established actors to make newcomers feel comfortable on set. Shivangi Joshi, who recently appeared in Season 2 of Amazon MX Player's web series Heartbeats: Pyaar Aur Armaan, may not have received support in the early stages of her career, but she treats newcomers very well. The actress considers it her responsibility to treat newcomers well. She says that working in this industry is not easy for both men and women. When I was new to this industry, I didn't receive that support. I was made to feel very bad. I always try to make the new artist I'm with feel as comfortable as possible. I explain things to them in a way that doesn't make them feel bad, but instead allows them to do well and be appreciated. Shivangi Joshi has been insulted on set - Shivangi said that she was insulted on set. She said, "This understanding comes from experience, because I know how I felt when people did not behave well with me. I used to get disappointed. Negative feelings used to come in my mind. Giving information about her bitter experiences, she says that when people did not behave well with me, it was the initial phase of my career." Shivangi Joshi started crying on the set - Shivangi Joshi said, "I was very young then, thankfully my mother was always present with me at that time. I remember, I was asked to perform in front of the camera. I did not know that it is not necessary to always look at the camera in the shot. When I started speaking my dialogues while looking at the camera, everyone standing around started laughing. Many people made fun of me." Shivangi says, "I was lacking in understanding. I started crying and left the room. I went and sat in the vanity van, where four people shared one vanity van. I wasn't sure whether to express myself or not. Then my mom took me out. She explained that it's okay, this is part of the job. A lot will depend on how you handle this situation. My director was very supportive and he also explained." Shivangi says she will never do a reality show again. Currently, Shivangi is focusing more on acting. Recently, she appeared on the reality show "Lock Up: Truth or Sazaa," and regarding her decision to not do reality shows again, she says, "Reality shows are over for me. I won't do them again. People have known me as an artist, and I want to continue doing that. I don't want too much drama in my life. Reality shows create an environment that brings out many negative things within you." You get stressed, which is a very unnecessary thing that I don't need anymore in my life.

"I was cheated..." Why Isha Rikhi's relationship with Badshah ended within just five months, the actress revealed on Bigg Boss 20.

Punjabi actress Isha Rikhi revealed the reason for her divorce from rapper Badshah on Bigg Boss 20. She said that Badshah was shirking responsibility in the relationship. Punjabi actress Isha Rikhi recently announced her marriage lasted only five months, and the unknown. Why did Isha and Badshah appearing as a contestant on Bigg Boss the reason for her divorce from Badshah. Kanika Mann, Isha said that Badshah away from the responsibilities that came Later, Kanika asked Isha, "What kind emotional, social cheating?' Esha replied, example, she explained how she views says something about Kanika, she won't She further added that she takes the Esha said, 'If someone comes and tells me proof or stop playing with my mind.' about things, but she didn't believe them the relationship ended, she realized that cheating on her. After dating for four relationship private and married quietly. March 2026 when Isha's mother,

separation from Badshah. Their reason for their separation is still divorce? - Isha Rikhi is currently 20. Now, in a recent episode, she revealed While talking to her co-contestant wanted a relationship but was shying with it. Badshah was cheating on Isha - of cheating was going on?" Physical, 'Every kind.' Then, citing Kanika as an relationships. Esha said that if someone believe it until they see it for themselves. same approach in her own relationships. something, I tell them to either give me Esha said that she was getting hints until she saw it with her own eyes. When the matter was over. Badshah was years, Badshah and Isha Rikhi kept their News of their marriage surfaced in Poonam Rikhi, posted pictures of the couple on Instagram. According to reports, both of them were in a relationship for about four years before marriage.

"Smelling like a pig..." Anchal lives in a small house in Mumbai, paying 70,000 rupees in rent, revealing the truth about a life of luxury.

Actress Anchal Khurana, known for her outspoken style, recently exposed the reality of her luxurious lifestyle. The actress showed fans the plight of her flat. Anchal Khurana revealed the truth about the luxurious life of actors in Mumbai. The actress pays 70,000 rupees as rent for a one-bedroom flat. People were surprised to see the actress's house on social media. Fans often aspire to a similar lifestyle after seeing the luxurious lives of their favorite TV and Bollywood stars. However, now, actress Anchal Khurana, known for her outspoken style, has revealed the reality behind the luxurious lives of actors, surprising social media users. The rent for a one-bedroom flat is 70,000 rupees. Anchal Khurana shared a vlog on her official YouTube channel. In this vlog, she showcased the real life of struggling actors in Mumbai, dressed up for events. She started her vlog with broccoli parathas, but gradually showed fans every corner of her home, from her hall to her bedroom. Showing off her flat, Aanchal said, "This is my house...not my own, but rented, because it would take me 400-500 years to buy my own." She further said, "I pay 70,000 rupees per month as rent for this one-bedroom hall flat. That's enough for me, and this isn't a very luxurious home." Showing the view from her window, Aanchal Khurana said, "There's no greenery or beautiful views here, but only chawls. What can I do, this is all you get in this budget." She also shared a glimpse of her tiny kitchen, where the Roadies winner keeps her washing machine. The CID actress also showed off her Krishna temple and her wardrobe. Aanchal didn't stop there, revealing the plight of her expensive home. She also showed off her bedroom, saying, "People clean their rooms and make videos of their homes, but they're just like we live in real life. I live like a pig in the smell... I lie in the smell. There are so many windows, but all you see as far as the eye can see are slums." Who is Aanchal Khurana? For those who don't know who Aanchal Khurana is, let us tell you that the actress began her film career in 2011 with the film MTV Roadies 8. In 2012, she appeared in shows like Sapne Suhane Ladakpan Ke, Arjun, Savdhaan India, and Aahat.